वर्ष: 15 - अंक : 52, मुंबई, बुधवार, 11 जून, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

'अहमदाबाद फैशन वीक में 'रंगा चक्र' का रंगारंग आयोजन-कला, सेवा और संस्कृति का अद्भुत संगम'

फ्लोरियन फाउंडेशन और मुंबई हलचल की साझेदारी में प्रस्तुत फैशन शो ने समाज सेवा, फैशन और पत्रकारिता को एक मंच पर लाकर रचा नया इतिहास

(समाचार व चित्रमय छलकियां पृष्ठ 4-5 पर)

DESI VILLAGE RESTAURANT & CAFE DUBAI

'भारत 24' न्यूज चैनल की एंकर शाजिया निसार और 'अमर उजाला' के डिजिटल एंकर आदर्श झा

रंगदारी-ब्लैकमेलिंग के केस में गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

नोएडा। 'भारत 24' न्यूज चैनल में कार्यरत एंकर शाजिया निसार और 'अमर उजाला' की डिजिटल शाखा में पदस्थ एंकर आदर्श झा को ब्लैकमेलिंग व उगाही सिंडिकेट चलाने के आरोप में नोएडा पुलिस ने अरेस्ट किया। पुलिस ने अनन फानन में कार्रवाई करते है दोनों आरोपियों को अरेस्ट करने के बाद पूरा खुलासा कर दिया। भारत 24 मैनेजमेंट की ओर से कराई गई रिपोर्ट के बाद, नोएडा सेक्टर-58 थाना पुलिस ने मंगलवार तड़के दोनों को गिरफ्तार कर सिविल जज (जूनियर डिवीजन-द्वितीय), गौतम बुद्ध नगर की अदालत में पेश किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मांगे थे 65 करोड़, शाजिया के घर की तलाशी में पुलिस को मिले 34.50 लाख कैश

नोएडा पुलिस ने किया कोर्ट में पेश, अदालत ने दोनों को भेज दिया 14 दिन के लिए जेल

लॉरेंस बिश्नोई के कहने पर बाबा सिद्दिकी को उतारा था मौत के घाट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मास्टरमाइंड जीशान अख्तर उर्फ जस्सी पुरेवाल कनाडा में पकड़ा गया है। उसे सरी पुलिस ने हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस के सूत्रों ने इस खबर की पुष्टि की। जानकारी के अनुसार, जीशान पंजाब के जालंधर का रहने वाला है और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है और वो हत्या की साजिश में शामिल था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

www.mumbaihalchal.com mumbaihalchal@gmail.com https://www.facebook.com/mumbaihalchal.halchal https://twitter.com/MumbaiHalchal

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

रेल पटरी पर मौतें

मुंबई में रेल पटरियों पर जान रोज जाती है। औसतन मौतें रोज होती हैं। 2024 में ऐसी कुल 2,468 मौतें हुईं। उनमें से 570 लोगों की मृत्यु ट्रेनों से गिरने के कारण हुई। बाकी पटरी पार करते वक्त दुर्घटना का शिकार हुए।

जिस रोज नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल की पहली सालगिरह मनाई और सत्ताधारी दल ने अपने 11 वर्ष के शासन काल को स्वर्णिम वर्ष बताया, उसी रोज मुंबई के मुंब्रा इलाके में विपरीत दिशाओं में जा रही दो ट्रेनों में लटके यात्रियों के गिर जाने से चार लोगों की जान चली गई। नौ यात्री जख्मी हुए। इस घटना फिर यह दिखाया कि देश की वित्तीय राजधानी में आम लोग किस तरह जान हथेली में लेकर रोज यात्रा करते हैं। ये घटना असामान्य थी, इसलिए सुर्खियों में आई। वरना, मुंबई में रेल पटरियों पर लोगों की जान रोजमर्रा के स्तर पर जाती है। मुंबई रेलवे पुलिस के मुताबिक औसतन सात ऐसी मौतें रोज होती हैं। 2024 में ऐसी कुल 2,468 मौतें हुईं। इनमें 1,151 लोगों ने पटरियां पार करने की कोशिश में जान गंवाई, जबकि 570 लोगों की मृत्यु ट्रेनों से गिरने के कारण हुई। यानी ट्रेनों से गिरना भी मुंबई में असामान्य घटना नहीं है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ट्रेनों में अति भीड़ ऐसी मौतों की वजह है। लोकल ट्रेन में 12 डिब्बे होते हैं, जिनमें आराम से तकरीबन 1,200 यात्री सफर कर सकते हैं। मगर भीड़-भाड़ के समय औसतन साढ़े पांच हजार लोग एक ट्रेन में यात्रा करते हैं। यानी ट्रेनों की क्षमता से साढ़े चार गुना ज्यादा! आखिर बढ़ती मांग के मुताबिक ट्रेनों की संख्या क्यों नहीं बढ़ी? ट्रेनों का आधुनिकीकरण क्यों नहीं हुआ है? ताजा हादसे के बाद कहा गया है कि अब लोकल ट्रेनों में ऑटोमैटिक दरवाजे लगाए जाएंगे? मगर अचानक ऐसा कैसे हो जाएगा? उसका बजट कहां से आएगा? इस बारे में कुछ विस्तार से नहीं बताया गया है। तो ये शक लाजिमी है कि यह महज आज की सुर्खियां संभालने का प्रयास है। यह कथा 11 के स्वर्णिम वर्षों के बाद है। मगर मुंबई की कथा इस कथित स्वर्ण काल की हकीकत बताती है। इस महानगर में देश के सबसे धनी व्यक्तियों का निवास है। बेशक, यह उनका स्वर्ण काल हो सकता है। मगर रेल पटरियों पर रोज जान गंवा रहे लोगों के लिए यह कौन-सा काल है, क्या सत्ता पक्ष यह भी बताएगा?

मंसूरी बिल्डर्स का 7 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न, 11 जोड़ों ने किया निकाह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा (शहजाद खान। सामाजिक सरोकार के तहत विगत 6 वर्षों से निशुल्क विवाह सम्मेलन संपन्न कराने वाले मंसूरी ब्रदर्स ने आज मंगलवार को परंपरागत तौर पर अपना सातवां सामूहिक निशुल्क विवाह सम्मेलन गुल अली बाबा की दरगाह पर संपन्न करवाया। मंसूरी बिल्डर्स के संस्थापक इमामुद्दीन मंसूरी ने बताया कि मंसूरी ब्रदर्स की ओर से गुल अलीबाबा के आस्ताने पर पूर्व प्रतिपक्ष नेता अब्दुल सलाम मंसूरी की सदारत में संपन्न हुए निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन में उदयपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़ एवं पाली सहित भीलवाड़ा

जिले के 11 जोड़ों को स्थानीय मस्जिदों के इमाम एवं मौलानाओं ने फजर की नमाज के बाद निकाह पढ़ाया। कार्यक्रम के प्रबंधक उमर मंसूरी ने बताया कि मंसूरी बिल्डर्स की ओर से हुए विगत 6 सामूहिक विवाह सम्मेलन में उनके परिवार के सदस्यों का निकाह भी अन्य जोड़ों के साथ ही संपन्न करवाया गया था, मगर अब उनके परिवार में कोई बालिग विवाह योग्य नहीं होने के कारण मंसूरी परिवार ने हर माह 11 जोड़ो का निशुल्क विवाह संपन्न कराने का निर्णय लिया है और अगला सामूहिक विवाह सम्मेलन आगामी 13 जुलाई रविवार को भीलवाड़ा में ही आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम के सहयोगी अब्दुल रशीद पठान ने बताया कि स्त्री धन के तौर पर वधु को 15 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया तथा मंच पर दूल्हा दुल्हन के माता-पिता को साफा बंधवाकर स्नेह भोज के बाद रुखसती दी गई। आयोजन में मुस्लिम समुदाय के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे एवं समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी ने बारातियों का स्वागत सम्मान किया।

अधिवेशन का उद्देश्य हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करना रहा : डॉ. सुधा राणा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय संस्कृति सम्बन्ध परिषद ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हाल (ICCR) कुआला लम्पुर में भाषा सहोदरी हिंदी (भारत पंजीकृत न्यास) द्वारा 12 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी अधिवेशन 2 जून से 10 जून 2025 तक मलेशिया एवं सिंगापुर के भारतीय हाई कमीशन एवं ICCR के संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ।वैदिक योग समिति वसुंधरा गाजियाबाद (पंजीकृत) की अध्यक्षा डा. सुधा राणा एवं संयुक्त सचिव डा. साधना तोमर ने 2 से 10 जून 2025 तक भाषा सहोदरी हिंदी द्वारा आयोजित 12 वें अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में गरिमामयी सहभागिता की। यह अधिवेशन भारतीय उच्चायोग, मलेशिया एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, कुआला लम्पुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

किया गया। अधिवेशन के प्रथम दिवस पर डा. सुधा राणा ने विश्व पटल पर हिंदी पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया और कार्यक्रम संचालन में भी सहयोग किया।प्रो. साधना तोमर ने सत्र की अध्यक्षता की एवं अपना शोध पत्र वैश्विक स्तर पर वर्तमान में हिन्दी की स्थिति प्रस्तुत किया।द्वितीय दिवस पर आयोजित काव्य पाठ सत्र में डा. सुधा राणा ने मानव जन्म मिला है हमको, हँसकर हमें बिताना है कविता प्रस्तुत की। डा. साधना तोमर ने गीत युग भी जिसको गाता जाये,आओ ऐसा गीत लिखे हम का ओजस्वी वाणी में सस्वर पाठ किया जिसे प्रतिभागियों द्वारा विशेष सराहना प्राप्त हुईं। इस अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन में लगभग 70 प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्रों की प्रस्तुति और काव्य पाठ किया गया। समापन सत्र में भारतीय उच्चायुक्त, मलेशिया ई. आर. रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक केंद्र द्वारा हिंदी के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हिंदी की भूमिका एवं वैश्विक स्तर पर उसकी आवश्यकता पर विचार रखे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

वांछित फाउंडेशन की टीम द्वारा संजय एंक्लेव में वृक्षारोपण किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। वांछित फाउंडेशन दिल्ली टीम की ओर से पर्यावरण अभियान के अंतर्गत 8/6/2025 ने संजय एंक्लेव में एक महत्वपूर्ण वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिविल लाइन जोन की चेयरपर्सन श्रीमती सुमन शर्मा ने शिरकत की। इस अवसर पर आजाद पुर मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत मुखी, RWA संजय एंक्लेव के प्रधान सरदार इंद्रजीत सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में शशि वाला, सोमनाथ, रोजी सचदेवा, शिमला डोगरा, मलिक, शीतल, कोमल, संगीता, सुदेश आदि ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। वृक्षारोपण के माध्यम से वांछित फाउंडेशन ने पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखा। इस कार्यक्रम के माध्यम से वांछित फाउंडेशन ने न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर एक स्वच्छ और हरित भविष्य की दिशा में भी कदम बढ़ाया। सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने वांछित फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सहयोग देने का आश्वासन दिया। वांछित फाउंडेशन की संस्थापिका एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा, डॉ. सुनीता मेहरोत्रा ने कहा हम एक, पेड़ अनेक और पौधों के सरंक्षण वांछित फाउंडेशन की प्राथमिकता है' वांछित फाउंडेशन के महा सचिव, डॉ. साक्षित मेहरोत्रा सभी को धन्यवाद दिया और जानकारी देते हुए कहा कि पौधा रोपण के अभियान डॉ. सुनीता मेहरोत्रा के निर्देशन में जून और जुलाई के महीनों में साप्ताहिक चलते रहेगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

महाराष्ट्र पुलिस के 5500 से अधिक कर्मचारीयों का घर बसने से पहले उजड़ गया

सरकार से न्याय की गुहार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस के ५५०० से अधिक कर्मचारी आज भी बेघर। आखिरी कब तक मिलेगा घर के लिए डिजी लोन।खुद का अपना घर हो हर इंसान की ख्वाहिश रहती हैपर २०२३ से महाराष्ट्र पुलिस को मिलने वाला डिजी लोन अचानक रोक देने से कई पुलिस कर्मचारी हताश हो चुके है। कितनो के घर बसने से पहले ही उजड़ गए हे। फिर भी इंतजार है।आज ना कल हमारे घर लेने की ख्वाहिश सरकार सच करेगी।

पुलिस कर्मचारियों ने जगह लिया, कही घर बांधना शुरू किया, कही रूम बुक किया था,ये भी कही न कही दूसरी जगह से ब्याज पे पैसा उठाकर,सोना गिरवी रख कर। पर २०२३ से अचानक डिजी लोन मिलने का बंद हुआ। जो अभी तक चालू नहीं हुआ। इसलिए ५५०० से अधिक कर्मचारियों को आर्थिक और मानसिक रूप से बेहद परेशानी में जुझ रहे है।पुलिस कर्मचारी दिन रात यही सोचते है कि सरकार

आज लोन देंगी, कल देगी पर २ साल बीत गए। कोई सुविधा नहीं मिली।फिर भी आस लगाए बैठे है, बस इसी भरोसे बैठी है हमारे घर के लिए डिजी लोन सरकार देगी। महाराष्ट्र पुलिस को घर मिलने के लिए कई विधायकों ने सरकार को निवेदन दिया है। पर सरकार चुप है। आखिर हम सभी के रक्षण कर्ता महाराष्ट्र पुलिस कर्मचारी को न्याय कब मिलेगा। आखिर उनका घर लेने की ख्वाहिश कब पूरी होगी। इसलिए धड़ाकेबाज युवा प्रतिष्ठान महाराष्ट्र राज्य के अध्यक्ष श्री अमोल धनराज केन्द्रे जी ने महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री, महसूल मंत्री, गृह विभाग ग्रामीण के राज्यमंत्री, गृह विभाग शहर के राज्य मंत्री,माजी सैनिक कल्याण मंत्री सभी को दिनांक २८/५/२०२५ को निवेदन दिया था। पर अभी तक कोई फैसला हुवा नहीं। इसलिए कई बार मंत्रालय में जाकर पुलिस कर्मचारी को घर के लिए लोन के लिए प्रयास किया। आज फिर से महाराष्ट्र पुलिस के ५५०० से अधिक कर्मचारियोको की घर लेने की ख्वाहिश पूरी करने के लिए। धड़ाकेबाज युवा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री अमोल धनराज केन्द्रे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार जी, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गृह ग्रामीण राज्यमंत्री, गृह शहरे राज्यमंत्री, माजी सैनिक कल्याण मंत्री,पर्यावरण मंत्रीजी को निवेदन दिया। खाकी वर्दी हमारी रक्षण कर्ता है, उनकी मांग को जल्द से जल्द पूरी करने के लिए ठोस कदम शासन ने उठाकर महाराष्ट्र पुलिस कर्मचारियों को घर लेने के लिए डिजी लोन मंजूर करने गुहार लगाई है। साथ में कहा है पहले खाकी फिर बाकी।

मेरे लिए मेरा सुहाग अहम नहीं बल्कि मेरा देश महत्वपूर्ण हैं और उसने अपने पति को मौत के...

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। हमारे देश को आजाद कराने में यूं तो कई बेनाम क्रांतिकारियों ने अपने अपने तरीके से कुर्बानियां दी हैं जिनके नाम इतिहास में अमर हो गए लेकिन वो देश के लोगों से अंजान रहे है। ऐसा ही एक स्वामीभक्त महिला क्रांतिकारी नीरा आर्या का नाम है जिसने अपने सुहाग से ज्यादा अपनी देशभक्ति को अधिक तवज्जो दी और अपने ही हाथों से अपने गद्दार पति को मौत के घाट उतारकर अपने स्वामीभक्त और अपनी देशभक्ति का परिचय दिया और वो भारत के लोगों में अमर हो गई। नीरा आर्या आजाद हिंद फौज में रानी झांसी रेजीमेंट में एक सिपाही थी। जिन पर अंग्रेजी सरकार ने गुप्तचर होने का आरोप लगाया था। इन्हें नीरा नागिनी के नाम से भी जाना जाता हैं। इनके भाई बसंत कुमार भी आजाद हिन्द फौज में थे। नीरा नागिनी के नाम से उनके जीवन पर एक महाकाव्य भी है।नीरा आर्या एक महान क्रांतिकारी देशभक्त, साहसी एवं स्वामीभक्त महिला थी। जिन्हें गर्व एवं गौरव के साथ याद किया जाता हैं। हैदराबाद की महिलाएं इन्हें पेदम्मा कहकर पुकारती थी। नीरा आर्या के नाम पर एक राष्ट्रीय पुरस्कार भी स्थापित किया गया है। नीरा आर्या के जन्म स्थल खेकड़ा बागपत में नीरा आर्य स्मारक की स्थापना की है। यहां उनकी प्रतिमा के साथ साथ 300 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी भी संग्रहित की गई हैं। नीरा आर्या का जन्म 5 मार्च 1902 को तत्कालीन संयुक्त प्रांत के खेकड़ा नगर बागपत में हुआ था। वर्तमान में खेकड़ा भारत के उत्तरप्रदेश राज्य के बागपत जिले का एक शहर है। इनके धर्म पिता छज्जुमल ने इनकी प्रारंभिक शिक्षा का प्रतिबंध कलकत्ता के निकट भगवान पुर गांव में किया था। नीरा

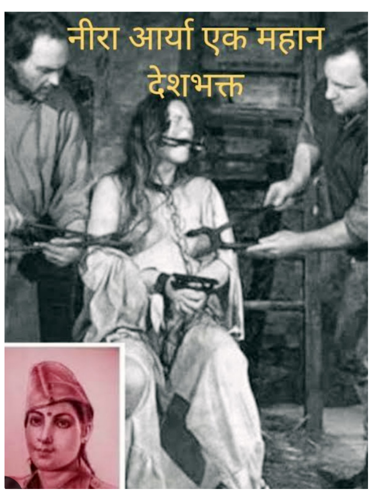

आर्य अंग्रेजी, बंगाली के अलावा अन्य भाषाओं में प्रवीण थी। उनकी शादी ब्रिटिश भारत में सीआईडी इंस्पेक्टर श्रीकांत जयरंजन दास के संग हुई थी। श्रीकांत जयरनजन दास अंग्रेज भक्त अधिकारी था। श्रीकांत जयरंजन दास को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जासूसी करने और उन्हें मौत के घाट उतारने की जिम्मेदारी दी गई थी। नीरा आर्या ने सुभाष चन्द्र बोस की जान बचाने के लिए अंग्रेजी सेना में अफसर अपने पति श्रीकांत जयरंजन दास की हत्या कर दी थी। अवसर पाकर श्रीकांत जयरंजन दास ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को मारने के लिए गोलियां दागी तो वो गोलियां उनके ड्राइवर को जाकर लगी। लेकिन इस दौरान नीरा आर्या ने श्रीकांत जयरंजन दास के पेट में एक संगीन घोंपकर उसे परलोक पहुंचा दिया था। श्रीकांत जयरंजन दास नीरा आर्या के पति थे। इसलिए पति को मारने के कारण ही नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने उन्हें नागिनी कहा था। आजाद हिंद फौज के समर्पण के बाद उन्हें पति की हत्या के आरोप में उन्हें काले पानी की सजा हुई थी। जहां उन्हें घोर यातनाएं दी गईं। आजादी के बाद उन्होंने फूल बेचकर जीवन यापन किया। लेकिन कोई भी सरकारी सहायता की पेंशन स्वीकार नहीं की। आजादी के बाद उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा कि मुझे गिरफ्तार करने के बाद कलकत्ता जेल भेजा गया। जहां हमारे रहने का स्थान वे ही कोठरियां थी। जिनमें अन्य महिला राजनितिक अपराधी रहती थी। हमें रात को कोठरियों में बंद कर दिया गया। ना कंबल और ना चटाई दी गई। जैसे जैसे जमीन पर लोट लगाई और नींद आ गई। लगभग रात को 12 बजे एक पहरेदार दो कंबल लेकर आया और बिना बोले उपर डाल कर चला गया। बुरा तो लगा पर कंबलों को पाकर भी संतोष आ गया। अब वही एक लोहे का बंधन और यह रहकर भारत माता से जुदा होने का ध्यान साथ में था। सुर्य निकलते ही मुझे खिचड़ी मीली और लुहार भी आ गया। हाथ की सांकल काटते समय थोडा सा चमड़ा भी काटा। उसने तीन बार पैरों की हड्डी को जांचा कि कितनी पुष्ट हैं। मैंने एक बार दुःखी होकर कहा क्या अंधा है जो पैरों पर मारता है। उसने कहा पैर क्या हम तो दिल पर भी मार देंगे क्या कर लोगी? बंधन में हुं तुम्हारे कर भी क्या सकती हूं? फिर मैंने उसके उपर थूक दिया। जेलर भी साथ में थे। उसने कड़क आवाज में कहा कि तुम्हें छोड़ दिया जाएगा अगर तुम बता दोगी कि तुम्हारे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कहां है? वे तो हवाई दुर्घटना में चल बसे। सारी दुनिया जानती हैं कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जिंदा हैं। तुम झूठ बोलती हो। मैंने कहा हां नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जिंदा हैं और हमारे दिल में है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

न्यूज एंकर शाजिया निसार और आदर्श झा रंगदारी-ब्लैकमेलिंग के केस में गिरफ्तार

न्यायाधीश जुही आनंद ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। इसका मतलब ये हुआ कि दोनों 21 जून तक हिरासत में रहेंगे तााकि उसे और भी राज निकलवाये जा सकें। प्रोसिक्यूशन के वरिष्ठ अधिवक्ता दीपक चैहान ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि एफआईआर संख्या 195/2025 भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत दर्ज की गई है। सुनवाई के दौरान शाजिया ने कोर्ट में हंगामा किया और पुलिस अफसरों पर आरोप लगाए। अदालत ने अभियुक्तगण द्वारा वादी को झूठे आपराधिक मामलों में फँसाने की धमकी और जान से मारने की धमकी देकर अवैध वसूली की बात को गंभीरता से लिया। भारत 24 प्रबंधन ने इस प्रकरण में अब तक कुल 3 एफआईआर दर्ज करवाई हैं। तीन मुकदमें दर्ज हुए है। पहल चैनल के सीएमडी व ग्रुप एडिटर की और से, दूसरा कंसल्टिंग एडिटर अनिता हाडा की और से, जबकि तीसरा एचआर हेड अनु श्रीधर की और से दर्ज करया गया है। बताया जाता है कि करीब 7-8 वर्ष पहले जी सलाम चैनल में शाजिया को नौकरी दिलाने में आदर्श झा ने सिफारिश की थी। उस समय चैनल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. जगदीश चंद्रा थे। शाजिया ने वहां 3-4 महीने ही काम किया। बताया जा रहा है कि नवंबर 2022 में उसने फिर डॉ. जगदीश चंद्रा से संपर्क किया और 5 नवंबर से एंकर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। आरोप है कि चैनल में उसका व्यवहार अनियंत्रित रहा, जिससे एचआर हेड और एडिटर से लगातार विवाद होते रहे। सूत्रों के अनुसार मार्च 2023 से सितंबर 2023 तक वह चैनल से अनुपस्थित रही। 11 सितंबर 2023 को पुनः यह कहकर चैनल जॉइन किया कि वह सुधार लाएगी, परंतु ऐसा नहीं हुआ और व्यवहार बदतर हो गया। उसने एडिटर, एचआर हेड और अन्य वरिष्ठों पर बलात्कार व यौन उत्पीड़न जैसे झूठे मुकदमे दर्ज कराने की धमकी देना शुरू कर दिया। सूत्रों की माने तो 14 अप्रैल 2025 को शाजिया ने फोन पर धमकी दी कि चैनल प्रबंधन के खिलाफ गंभीर झूठे आरोप लगाएगी, जिसकी रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। शुरूआत में उसने 5 करोड़ की मांग की, फिर यह बढ़ती गई और अंततः 65 करोड़ रुपये की मांग पर पहुँच गई। हर बार की गई माँग की ऑडियो रिकॉर्डिंग मौजूद है। उसके साथ आदर्श झा भी सक्रिय रूप से शामिल रहा। दोनों ने डॉ. जगदीश चंद्रा से मिलने जयपुर आकर धमकी दी, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी है। कंसल्टिंग एडिटर अनिता हाडा और एचआर हेड अनु श्रीधर ने भी शाजिया, उसकी मां नसीम बानो और आदर्श झा के खिलाफ एफआईआर कराई है। उसमें कार्यालय में अवांछित माँगें, अभद्रता, धमकियाँ और झूठे यौन उत्पीड़न के मुकदमे की धमकियों का विवरण है। चैनल प्रबंधन का कहना है कि जिस चैनल ने उन्हें रोजगार, मान-सम्मान और अवसर दिया, उन्हीं को ब्लैकमेल कर सामाजिक व व्यावसायिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की गई। बता दें कि नोएडा पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या पत्रकार और इन्फ्लुएंसर के रूप में कुछ अन्य लोग भी इस ब्लैकमेल सिंडिकेट में शामिल हैं? उसके अलावा जो लोग रिपोर्टिंग क्षेत्र से जुड़े है उनके चरित्र की भी जांच पड़ताल हो रही है।

लॉरेंस बिश्नोई के कहने पर बाबा सिद्दिकी को उतारा था मौत के घाट

हत्या के बाद वो देश से फरार हो गया था और कथित तौर पर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी की मदद से कनाडा में पहुंचा था। मुंबई पुलिस अब उसको भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की चार्जशीट के अनुसार, इस मामले में 26 आरोपी गिरफ्तार हैं। पहला आरोपी गुरमेल सिंह और 26वां आरोपी सुमित दिनकर है। वांटेड में 3 आरोपियों के नाम हैं। शुभम लोनकर, मोहम्मद यासीन उर्फ जीशान अख्तर, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही इसमें अनमोल बिश्नोई का भी नाम था। चार्जशीट में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम नहीं है। एनसीपी अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बाबा सिद्दीकी पर बांद्रा ईस्ट में उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर अज्ञात हमलावरों ने तीन राउंड फायरिंग की है। जिसमें से एक गोली बाबा सिद्दीकी के सीने में लगी थी, जो उनकी मौत की वजह बन गई।

Ahmedabad Fashion Week Ranga Chakra
दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

‘अहमदाबाद फैशन वीक में ‘रंगा चक्र’ का रंगारंग आयोजन-कला, सेवा और संस्कृति का अद्भुत संगम’

फ्लोरियन फाउंडेशन और मुंबई हलचल की साझेदारी में प्रस्तुत फैशन शो ने समाज सेवा, फैशन और पत्रकारिता को एक मंच पर लाकर रचा नया इतिहास

मुंबई हलचल/संवाददाता

अहमदाबाद। अहमदाबाद फैशन वीक के मंच पर इस बार कुछ अलग देखने को मिला। एक ओर जहां रंग-बिरंगे परिधानों ने रैम्प पर ग्लैमर बिखेरा, वहीं दूसरी ओर समाज सेवा, संस्कृति और आध्यात्मिकता की गहराइयों ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। 'रंगा चक्र' नामक इस विशेष शो का आयोजन फ्लोरियन फाउंडेशन (अध्यक्षः अर्चना जैन) और समाचार जगत में सक्रिय मुंबई हलचल (संपादकः दिलशाद एस. खान) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस आयोजन ने फैशन को केवल स्टाइल का नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश का मंच बना दिया। डिजाइनर सौमालिका घोष द्वारा प्रस्तुत इस कलेक्शन में कुल 24 मॉडलों ने भाग लिया। शो की भव्य शुरूआत सिमरन आहूजा और शहबाज खान ने की, जबकि रूपिका ग्रोवर शो की शोस्टॉपर रहीं। कार्यक्रम में सुहैल खंडवानी विशेष सहयोगी रहे, जिन्होंने स्किल डवलपमेंट में सहयोग देने के साथ-साथ अपनी विनम्रता और सकारात्मकता से रैम्प को भी रोशन किया। आयोजकों ने उनके योगदान को खुले दिल से सराहा।

‘समुद्र मंथन’ की प्रतीकात्मक प्रस्तुति

इस शो की सबसे खास बात रही ‘समुद्र मंथन’ पर आधारित एक गहन विचारधारा, जिसमें यह दिखाया गया कि जैसे देवताओं और असुरों ने अमृत पाने के लिए समुद्र का मंथन किया था, वैसे ही आज का समाज भी सकारात्मकता और नकारात्मकता के बीच जूझ रहा है। समुद्र को मानव चेतना, मंदराचल पर्वत को जीवन के साधन और वासुकी नाग को संघर्षों के प्रतीक रूप में दशार्या गया। शो ने यह स्पष्ट किया कि आधुनिक जीवन में भी जब तक शिव की तरह कोई नेतृत्व विष नहीं पिएगा, समाज अमृत नहीं पा सकता।

आयोजन का उद्देश्य

यह शो केवल फैशन तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य समाज को एक नई दिशा देना था – कि कला के माध्यम से भी समाज सेवा और जागरूकता का कार्य किया जा सकता है। फ्लोरियन फाउंडेशन वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर कार्य कर रही है। वहीं मुंबई हलचल अपने सामाजिक सरोकार और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए प्रसिद्ध है।

धन्यवाद ज्ञापन

इस आयोजन की सफलता में सहभागी सभी लोगों का हार्दिक धन्यवाद किया गया, विशेष रूप से सुहैल खंडवानी का, जिनके सहयोग के बिना यह संभव न होता।

पाकिस्तान की आर्थिक समीक्षा बैठक में वित्त मंत्री ने दिया ब्योरा

पाकिस्तान को कर छूट देने से 21 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पाकिस्तान को विभिन्न क्षेत्रों को कर छूट देने से वित्त वर्ष 2024-25 में 21 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है। यह देश को अपने परिपक्व हो रहे वाणिज्यिक और द्विपक्षीय बाह्य ऋण के एवज में चुकाने के लिए आवश्यक 17 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर छूट की लागत बढ़कर 5800 अरब रुपए हुई

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब द्वारा सोमवार को जारी पाकिस्तान की आर्थिक समीक्षा 2024-25 में वित्त वर्ष से जुड़े विभिन्न आर्थिक वृद्धि एवं संकेतकों का ब्योरा दिया गया है। दस्तावेज के अनुसार, चालू वित्त वर्ष (2024-25) में कर छूट की लागत बढ़कर रिकॉर्ड 5800 अरब रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 3900 अरब रुपये से करीब 2000 अरब रुपये अधिक है। पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून तक के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है।

खास बातें

- पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून तक के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है
- सरकार ने अपने पिछले बजट में कई छूटों को हटा दिया था

डॉलर को संदर्भ में कर घाटे की लागत बढ़ी

समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, डॉलर के संदर्भ में कर घाटे की लागत 21 अरब अमेरिकी डॉलर थी, जो कि पाकिस्तान को चीन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत के परिपक्व हो रहे वाणिज्यिक एवं द्विपक्षीय बाह्य ऋण के तहत इस वित्त वर्ष चुकाने के लिए आवश्यक 17 अरब अमेरिकी डॉलर से काफी अधिक है।

नवाज सरकार ने कई छूटों को हटा दिया था

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, कर व्यय 1960 अरब रुपये या 51 प्रतिशत बढ़ा जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार ने अपने पिछले बजट में कई छूटों को हटा दिया था। कर रियायतों और छूटों को कई बार वापस लेने के बावजूद कर राशि में हर वर्ष वृद्धि जारी रही है। वर्षों से ये स्वीकृत छूटें तीन अलग-अलग कर कानूनों के तहत दी जा रही हैं।

बिक्री कर छूट करीब 50 फीसदी बढ़ी

समीक्षा में कहा गया चालू वित्त वर्ष में बिक्री कर छूट करीब 50 प्रतिशत बढ़कर 4300 अरब रुपये हो गई जो पिछले वर्ष 2900 अरब रुपये थी। संघीय राजस्व बोर्ड के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में आयकर छूट की कुल राशि 801 अरब रुपये रहेगी जो पिछले वर्ष की 477 अरब रुपये से 68 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि सरकार के वेतनभोगियों पर अधिक कर का बोझ डालने तथा खुदरा विक्रेताओं जैसे अन्य क्षेत्रों को इससे मुक्त रखने के निर्णय के बावजूद दर्ज की गई।

सीमा शुल्क छूट बढ़कर 786 अरब रुपए

समीक्षा के अनुसार इस वित्त वर्ष में सीमा शुल्क छूट बढ़कर 786 अरब रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष के 543 अरब रुपये से 243 अरब रुपये या 45 प्रतिशत अधिक है। खबर के अनुसार, " 2025 के लिए कर व्यय" के रूप में 5800 अरब रुपये की राशि का अनुमान पूर्व में प्रकाशित घाटे की विश्वसनीयता पर संदेह उत्पन्न करता है।

आंकड़ों को कम दिखाना एक संकेत

कर व्यय को कम करने एवं समाप्त करने के लिए सरकारों के लगातार किए गए प्रयासों के बावजूद, यह लगातार बढ़ रहा है। समाचार पत्र के अनुसार, यह या तो वित्त वर्ष के दौरान कई छिपी हुई कर छूटों की शुरुआत या पिछले वर्ष के आंकड़ों को कम करके दिखाने का संकेत देता है। खबर में कहा गया है कि कर छूट लागत में इतनी तीव्र वृद्धि को उचित ठहराने के लिए आर्थिक गतिविधि में कोई असाधारण वृद्धि नहीं हुई है।

डरें नहीं पर सतर्क रहें : देश में बढ़ रहे कोरोना मामले, जून में 58 मौतें और 3400 नए केस आए सामने

नई दिल्ली। देश भर में कोराना मामले में हो रही बढ़ोतरी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। जून में कोरोना के मरीजों में तेजी से इजाफा हुआ है। इस माह अब तक कोरोना से 58 मौतें हो चुकी हैं जबकि 3400 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। केरल में एक्टिव केसों की संख्या सर्वाधिक पाई गई है। देश भर में कुल एक्टिव केसों की संख्या 6000 के भी पार पहुंच गई है। कोरोना एक्टिव केस की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होती दिख रही है। कई राज्यों में सरकार की ओर से अलर्ट जारी कर दिए गए हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि कोरोना को लेकर बहुत ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन बेहतर होगा कि सतर्क रहें और गाइडलाइन का पालन करें। मई माह में देश में कुल 2710 केस एक्टिव थे, वहीं मौतों की संख्या 7 थीं।

कोरोना से अब तक कुल 65 मौतें

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक कोरोना से अब तक 65 लोगों की जान जा चुकी है जिसमें 58 की जून में ही मौत हुई है। पिछले 9 दिनों में कुल 3423 नए मामले सामने आए हैं। केरल में 3, कर्नाटक में 2 और तमिलनाडु में कोरोना से तीन लोगों की मौत हुई है। सरकार ने सभी से कोरोना को लेकर लापरवाही नहीं बरतने की अपील की है। अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर और ICU बेड की व्यवस्थाएं भी कर ली गई हैं।

जानें इन राज्यों में कोरोना का हाल

केरल: अब तक कोरोना के 2000 मामले सामने आ चुके हैं। सरकार ने बुखार, खांसी-जुकाम से लक्षण मिलने पर तुरंत कोरोना टेस्ट कराने के निर्देश दिए हैं। कोरोना से केरल में अब तक 9 मौतें हुई हैं। **महाराष्ट्र:** कोरोना से महाराष्ट्र में मौतों की संख्या सबसे अधिक है। यहां अब 18 लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि इनमें से 16 अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे। इस वर्ष कोरोना से यहां 13000 से अधिक सैंपल लिए गए जिसमें 1000 से अधिक पॉजिटिव पाए गए हैं।

गुजरात: स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की माने तो कोरोना मरीजों की संख्या 500 से अधिक हैं। इनमें से 18 को अस्पताल में भी भर्ती कराया गया है। अन्य को होम आईसोलेशन की हिदायत दी गई है। **सिक्किम:** प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जीटी धुंगेल ने जनता से कोरोना को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि 29 मई से अब तक 526 सैंपल टेस्टिंग की गई। इनमें 15 पॉजिटिव मामले पाए गए। सभी को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की हिदायत दी गई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बचपन से ही करें आंखों की, तेज रहेगी नजर !

पहले समय में बढ़ती उम्र के लोगों में आंखों से संबंधी समस्याएं सुनने और देखने को मिलती थी लेकिन आजकल कम उम्र के बच्चों में यह समस्या आम दिख रही है। ऐसा बदलते लाइफस्टाइल और लोगों के खान-पान में बदलाव होने के कारण होता है। बच्चे अपना ज्यादातर समय टी.वी, कंम्यूटर पर आंखें गड़ाए रखते है और पौष्टिक आहार से कोसो दूर रहते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को उनकी आंखों की खास देखभाल करने की जरूरत है। अगर बचपन से ही बच्चे की आंखों पर ध्यान दिया जाएं तो आगे चलकर इनसे संबंधित कई तरह की समस्याओं से बचा सकता है।

1. आहार
संतुलित आहार, जिसमें लाल और हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, गाजर, चुकंदर और पीले फल जिसमें शामिल हैं आम, पपीता जो कैरोटीन से भरपूर है जो बच्चों के लिए फायदेमंद होते है।

2. टी.वी देखना
बच्चे को ज्यादा देर तक टी.वी के पास न बैठने दें। टी.वी को अच्छी रोशनी वाले कमरे में रखें और अपने से 3.5 मीटर की दूरी पर इसको रखें।

3. कंम्प्यूटर का उपयोग
बच्चों को इसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण ढंग से करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि आंखें थके नहीं। कंम्यूटर की स्क्रीन आंख के स्तर से नीचे होनी चाहिए, जिससे आंखों की रोशनी बनी रहती है और थकावट दूर रहती है।

4. आंखों को बार-बार हाथ लगाना
स्कूली बच्चों में एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस होता है इसलिए बच्चों को आंखों को बार-बार पोछने से मना करना चाहिए।

5. नियमित अन्तराल
पढ़ने, कंम्प्यूटर पर कार्य करने और ऐसे ही अन्य आंखों से होने वाले कार्यों के लिए नियमित अंतर बनाए रखें।

आप भी लेते हैं हॉट शॉवर, हो जाएं सावधान!

कुछ लोग सर्दी की शुरूआत से ही गर्म पानी से नहाना शुरू कर देते हैं। गर्म पानी से नहाना हर किसी को पसंद होता है क्योंकि इससे मांसपेशियां की अकड़ कम होती है। गर्म पानी से नहाने से जहां ठंड से राहत मिलती है वहीं इससे कई समस्याएं भी पैदा होती है। यह त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचाता है इसलिए सर्दियों में हॉट शावर अधिक समय तक न लें। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है लोग गर्म पानी का इस्तेमाल अधिक करने लगते हैं। इसी के साथ लोग अधिक गर्म पानी से नहाना पसंद करते हैं, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंचता है। दरअसल, अधिक गर्म पानी से नहाने से शरीर की ऊपरी सतह पर मौजूद ऑयली परत हट जाती है। ये सतह हमारी त्वचा के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह त्वचा में होने वाले दूसरे संक्रमण से बचाव करती है। इस लेयर के हटने के बाद त्वचा के संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। अधिक समय तक हॉट शावर लेने से कई बार चेहरे और होंठों पर सूजन भी आ जाती है।

घर पर ही करें हार्मोंस बैलेंस

हेल्दी रहने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है,हार्मोंस के असंतुलन से हेल्दी लाइफस्टाइल के बावजूद वजन बढ़ सकता है। हमारी भूख, नींद,मूड से लेकर सेक्स लाइफ तक हार्मोंस द्वारा प्रभावित होती है ऐसे में जब भी हार्मोंस का असंतुलन होता है, तो इससे शरीर को हर वक्त थकान महसूस होती रहती है। इंफर्टिलिटी,पाचन से जुड़ी समस्याएं और कई मानसिक समस्याएं भी हार्मोंस में बदलाव के कारण होती हैं।हमारा स्वास्थ्य बिगड़ता है तो हमारे शरीर में बहुत जरूरी है कि हार्मोंस का संतुलन बना रहे, ताकि हम हमेशा स्वस्थ और फिट रहें। ऐसे में कुछ घरेलू तरीके अपनाकर आप अपने हार्मोंस को बैलेंस रख सकते है....

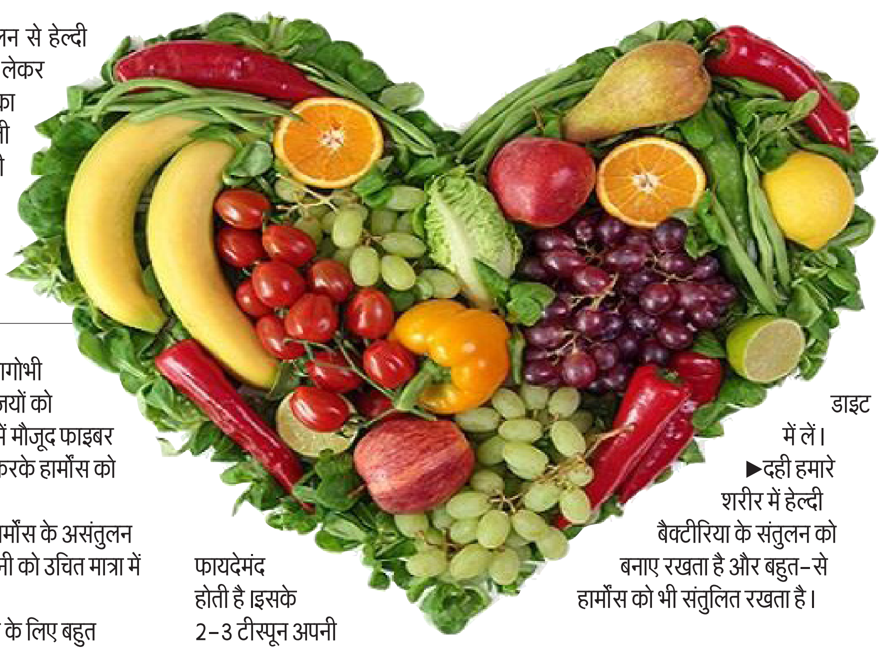

- ▶अपनी डाइट में कैफीन की मात्रा को कम करें।चाय-कॉफी को सीमित मात्रा में ही लें।
- ▶ नारियल तेल को अपने डायट में शामिल करें। यह हार्मोंस के संतुलन करने में मदद करता है। यह वजन को भी नियंत्रित करता है।
- ▶योग व प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।आप वॉकिंग और जॉगिंग भी कर सकते हैं।
- ▶ गाजर,ब्रोकोली, पत्तागोभी व फूलगोभी जैसी सब्जियों को अपनी डाइट में लें।इनमें मौजूद फाइबर टॉक्सिन्स को कंट्रोल करके हार्मोंस को बैलेंस करता है।
- ▶ पानी की कमी भी हार्मोंस के असंतुलन का कारण बनती है।पानी को उचित मात्रा में पीएं।
- ▶ अलसी हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है इसके 2-3 टीस्पून अपनी डाइट में लें।
- ▶दही हमारे शरीर में हेल्दी बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखता है और बहुत-से हार्मोंस को भी संतुलित रखता है।

पति बनने से पहले छोड़ दे अपनी ये 6 आदतें

लड़के खुले मिजाज के होते हैं जो बिना किसी रोक-टोक के कहीं भी घूम सकते हैं, किसी के साथ भी दोस्ती कर सकते हैं। उन्हें किसी की परवाह नहीं होती लेकिन ऐसा शादी के पहले तो ठीक है। जब शादी हो जाएं तो इनको अपनी इन आदतों में बदलाव करना पड़ता हैं क्योंकि शादी का अनुभव हर एक व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई बदलाव जरूर लाता हैं। कुवांरेपन की जिंदगी की तरह ही शादीशुदा जिंदगी को जीना लड़कों और लड़कियों के जीवन में कठिनाइयां आ सकती हैं। इसलिए अपने इस नए शादीशुदा रिश्ते को खुशहाल और निरुत्साहित होने से बचाने के लिए अपने कुंवारेपन की कुछ आदतें को बदल लें। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएं जिन्हें आपको पति बनने से पहले ही छोड़ देना चाहिए।

चाबियों और मोजों पर ध्यान

सभी पत्नियां चाहती हैं कि उनका पति जिम्मेदार हो। अपनी सभी चीजों का ध्यान रखें। छोटी-छोटी चीज के लिए मुझ पर निर्भर न हो। अगर आप अपनी इन छोटी जिम्मेदारी को पूरा करेंगे तो पत्नी आपकी तारीफ करेंगी।

स्पोर्ट्स और वीडियो गेम्स

कुछ मर्दों की आदत होती हैं, काम से वापस आकर टी. वी. या गेम्स खेलने में व्यस्त रहना। मर्दों को अपनी इस आदत को पति बनने से पहले छोड़ दोना चाहिए क्योंकि पत्नियां चाहती है कि आप उनकी तरफ ज्यादा ध्यान दें।

दोस्तों के साथ अधिक समय बिताना

शादी के बाद कभी-कभार दोस्तों के साथ घूमने पर पत्नी गुस्सा नहीं करती लेकिन अगर आप रोज-रोज अपना खाली समय अपनी बीवी के साथ न बिताकर, दोस्तों के साथ व्यस्त रहते है तो इससे आपके रिश्ते में मन-मिटाव आ सकता है।

घर को फैलाना बंद करें

शादी के बाद अपने तौलिये से लेकर आपकी गंदी टी शर्ट को पलंग पर फैलाकर रखना बंद कर दें। चीजों को बिखेरने के बजाएं पत्नी के साथ मिलकर घर की साफ-सफाई करें ।

घर को रेस्टारेंट न समझें

आपकी पत्नी आपके घर की कुक या वेटर नहीं है। वह दिन भर आपके घर के काम करने और आपको खाना परोसने के लिए नहीं आई है। इसलिए उसे ऑडर देने के बजाएं उसकी मदद करें।

लड़कों के तरफ की बात करना

शादी के बाद पत्नी ही आपकी अच्छी दोस्त होती है लेकिन फिर भी आप पूरा समय लड़कों की तरफदारी करने में लगे रहते है तो अपनी इस आदत को बदल दें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'रामायण' की स्टारकास्ट का हुआ खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर की आने वाली मेगा बजट फिल्म ह्यरामायणह्ल इन दिनों दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा में है। इस पौराणिक प्रोजेक्ट को डायरेक्टर नितेश तिवारी बड़े स्तर पर बना रहे हैं और यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। 600 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बन रही इस फिल्म की स्टारकास्ट भी उतनी ही भव्य और चर्चित है जितना कि इसका विषय। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम के किरदार में नजर आएंगे, जबकि साई पल्लवी माता सीता का रोल निभा रही हैं। दोनों की जोड़ी को पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए बेहद खास अनुभव होने वाला है। अब बात करें अन्य अहम किरदारों की तो फिल्म में केजीएफ फेम यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। यश इस किरदार के लिए काफी लंबे समय से तैयारी कर रहे हैं और उनके लुक को लेकर काफी गोपनीयता बरती जा रही है। लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे हैं छोटे पर्दे के मशहूर कलाकार रवि दुबे। वहीं हनुमान के किरदार के लिए सनी देओल को चुना गया है, जो अपने दमदार डायलॉग्स और जोशीले अंदाज के लिए जाने जाते हैं। कैकेयी का किरदार निभा रही हैं लारा दत्ता, जबकि रकुल प्रीत सिंह फिल्म में शूर्पणखा की भूमिका में दिखेंगी। काजल अग्रवाल को मंदोदरी का रोल मिला है, जो रावण की पत्नी थीं। एक और खास बात यह है कि फिल्म में अमिताभ बच्चन भी नजर आएंगे और वे जटायु का किरदार निभा सकते हैं। महादेव के रोल में नजर आएंगे मोहित रैना, जिन्हें इससे पहले देवों के देव महादेव में भगवान शिव के रूप में सराहा गया था। वहीं विक्रांत मैसी मेघनाद और राम्या कृष्णन कौशल्या के रोल में नजर आएंगी।

स्पिरिट के लिए तृप्ति डिमरी ने की जमकर मेहनत

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों सुर्खियों में हैं। इसकी दो प्रमुख वजहें हैं। पहला, संदीप रेड्डी वेंगा की बहुचर्चित फिल्म ह्यस्पिरिटह्ल में उन्हें मुख्य भूमिका मिलना और दूसरा, सोशल मीडिया पर शेयर की गई उनकी फिटनेस से भरपूर तस्वीरें, जिनमें उनका आत्मविश्वास साफ झलकता है। पहले इस फिल्म में दीपिका पादुकोण को लीड रोल में लिया गया था, लेकिन अब तृप्ति डिमरी को इस फिल्म में अभिनेता प्रभास के अपोजिट कास्ट किया गया है। प्रभास की फिल्म स्पिरिट तृप्ति के करियर का सबसे बड़ा मौका माना जा रहा है। हाल ही में तृप्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह मिरर सेल्फी में अपने टोंड एब्स फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। साथ ही उन्होंने अपने हेल्दी डाइट और वीकेंड रूटीन की झलक भी दी है। एक तस्वीर में वह पौष्टिक भोजन करती नजर आ रही हैं, जिसमें भिंडी, राजमा-चावल और घर की बनीं सेवइयां हैं। यह साफ दशार्ता है कि तृप्ति ने न केवल फिजिकल फिटनेस बल्कि खाने-पीने में भी खुद पर कंट्रोल रखा है। तृप्ति की एक और तस्वीर में वह अपने लॉन में बैठी हैं और बगल में एक प्यारी सी बिल्ली आराम कर रही है। तृप्ति की इन तस्वीरों पर उनके फैंस की प्रतिक्रियाएं जबरदस्त रही हैं। कोई उन्हें प्रभास की फिल्म में वेलकम कर रहा है तो कोई उनकी सुंदरता और फिटनेस पर फिदा है। एक यूजर ने लिखा कि तृप्ति मैम, आप के लिए जान भी दे सकता हूं। वहीं, दूसरे ने कहा कि आप इतनी खूबसूरत कैसे हो सकती हैं। दीपिका पादुकोण के फिल्म से बाहर होने की वजह पर भी काफी चर्चा हो रही है।